Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J—6706

PAPER—III
ARCHAEOLOGY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

ARCHAEOLOGY

पुरातत्व विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

The extent of our knowledge of the Indus Civilization is limited, because although a number of excavations have been carried out the range of objects which have survived is considerably more restricted than in either Egypt or Mesopotamia; there is a total absence of pictorial representations of the life of people, and such short inscriptions as survive, mainly on seals, are still unread. Technically, however, the Hrappan Civilization was not backward. As Gordon Childe so rightly pointed out, India produced a "thoroughly individual and independent civilization of her own," Technically the peer of the rest", although resting upon the same fundamental ideas, discoveries and inventions as those of Egypt and Mesopotamia. We are now is a position to add to his statement that the extent and uniformity in terms of town planning, crafts and industries, of the Harappan culture, far exceeded either. The most important single discovery must have been the exploitation of the Indus flood-plains for agriculture, offering a vast potential production of wheat and barley. Many pieces of equipment, such as the bullock carts, provided prototypes for subsequent generations of Indian craftsmen, to spread through the whole sub-continent and servive into the twentieth century.

सिन्धु सभ्यता के विषय में हामारा ज्ञान सीमित है, कयोंकि यद्यपि कई स्थानों पर उत्खनन किए गए है, मिस्त्र एंव मेसोपोटामिया की तुलना में उनसे प्राप्त पुरावस्तुओं की विविधता और भी सीमित है। इस सभ्यता में जन–जीवन के चित्रयुक्त प्रदर्भन का पूर्ण आभाव है और जो छोटे –बडे आभिलेख मिले भी है, विशेषत: मुहरों पर, उनका उद्वाचन अभी तक नहीं हो सका है। फिर भी तकनीकी प्रगति की दृष्टि, से हड़प्पा संस्कृति पिछडी हुई नही है। जौसा कि गार्डन चाइल्ड ने ठीक ही लिखा है, भारत ने एक ''सर्वथा मौलिक और स्वतंत्र संस्कृति को जन्म दिया जो सभी संस्कृतियों के समकक्ष थी,'' यद्यपि वह उन्ही मौलिक विचारों आविष्कारों और उन्वेषणों पर आधारित थी जिन पर मे मेसोपोटामिया और मिस्त्र की संस्कृतियाँ आधाारित थी। अब हम उनके कथन में इतना और जोड़ सकने की स्थिति में हैं कि नगर–योजना, शिल्प, उद्योगों में एक रूपता तथा विस्तार के क्षेत्र में यह इन दोनों सभ्याताओं से आगे थी। परंन्तु सर्वाधिक महत्वपूर्ण खोज रही होगी सिन्धु–उपत्यका का कृषि–कर्म के लिए उपयोग, जिसमे जौ–गेहूँ की खेती की अपार संम्भावनायें निहित थी। बैलगाड़ी जैसे उपकरणों ने भारतीय शिल्पीयों की परवर्ती पीढ़ियों के लिए आदि –रूप का काम किया जो सम्पूर्ण उपमहाद्वीप में बीसवीं शताब्दी तक जीवित रहा।

1. Compare the nature of archaeological evidence from the Harappan Sites with that from West Asia.

हड़प्पीय पुरास्थलों से प्राप्त पूरातात्वीक प्रमाणों को पश्चिम एशिया के प्रमाणों से तुलना कीजीए।

2. Enumerate the Harappan objects which have survived in India at present.

जो हड़प्पीय वस्तुयें भारत में वर्तमान काल तक जीवित रहीं, उनकी पारिगणना कीजिऐ।

3. What are the Harappan cultural elements which display better uniformity with those of West Asia?

हड़प्पा संस्कृति के वे कौन से तच्व हैं जो पश्चिम एशिया के प्रमाणों से अधिक एकरूपता दिखाते है?

4. The Harappan Civilization was not backward, explain.

हड़प्पा संस्कृति पिछड़ी हुई नहीं थी। इस कथन की व्याख्या कीजिए।

5. What were the main factors responsible for the flourishing agriculture of the Harappans?
हड़प्पा संस्कृति के विकसित कृषि-कर्म के लिए कौन से तत्त्व प्रमुख रूप से उत्तरदायी हैं?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What is the main objective of archaeology?
पूरातत्व का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

7. How will you use the Survey of India maps for carrying out archaeological explorations?
सर्वे आफ इन्डिया से प्रकाशित मानाचीत्रों का पुरातात्विक सर्वेक्षण में आप किस प्रकार उपयोग करेगें?

8. Describe the Thermoluminescence method of dating.
ताप-संदीप्ति तिथि प्रणाली का वर्णन कीजीए।

9. How ethno-archaeology is useful in archaeological interprelations?
पुरातत्विक विश्लेषण में नृजातीय-पुरातच्व विज्ञान किस प्रकार सहायक होता है?

10. What are the principal tool types of the upper paleolithic culture?
उच्चपुरापाषान कालीन संस्कृति के प्रमुख उपकरण कौन से है?

11. What is the crested guiding ridge technique?
क्रेस्टेड गाइडिंग रिज तकनीक क्या है?

12. State the chronology of the Early, Mature and Late Harappan cultures.
प्रारम्भिक, विकसित एवं उत्तर हड़प्पा संस्कृति के काल-क्रम की विवेचना कीजिए।

13. Describe the principal tool types of the Copper Hoards.
ताम्र-निधियों के मुख्य उपकरण -प्रकारों का वर्णन कीजिए।

14. What are the characteristic features of the Ahar Culture?
अहाड़ संस्कृति के प्रमुख तत्व क्या है?

15. What is a port-holed cist?
पोर्ट होल्ड सिष्ट क्या है?

16. Describe the development of Painted Grey Ware Culture in time and space.
काल एंव क्षेत्र की दृष्टि से चित्रित धूसर मृद्माण्ड संस्कृति के विकास का वर्णन कीजिए।

17. What are the components of the Buddhist Stupa ?
बौद्ध-स्तूप के प्रमुख अंग क्या होते है?

18. What is Triratna ?
त्रिरत्न क्या है ?

19. Explain the Ujjaini symbol.
उज्जैन चिन्ह की विवेचना कीजिए।

20. Where are the Asokan Edicts written in Kharoshti Script.
अशोक के कौन से अभिलेख खरोष्ठी लिपि में है?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. Discuss the importance of geo-chronology in the dating of Palaeolithic sites.

पुरा-प्रस्तर स्थलों की तिथि देने के लिए भूवैज्ञानिक कालानुक्रम के महत्व की विवेचना कीजिए।

22. Is Sohan culture an independent culture? Examine the recent evidence.

क्या सोहन संस्कृति एक स्वतंभ संस्कृति है? हाल में प्राप्त प्रमाण का परीक्षण कीजीए।

23. Describe the characteristic features of the Ganga valley mesolithic culture.

गंगा घाटी की मध्य-प्रस्तर संस्कृति के प्रमुख लक्षणों का वर्णन कीजीए।

24. Assess the importance of Mehrgarh excavations.

मेहरगढ़ उत्खनन के महत्व का मूल्यांकन कीजीए।

25. Trace the development of the Southern Neolithic culture.

दक्षिण भारत की नवप्रस्तर संस्कृति के विकास को रेखांकित कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. 'The Harappan Civilization is unique in the world'. Discuss.

'हड़प्पा संस्कृति विश्व में अनूठी है' विवेचना कीजिए।

22. Evaluate the causes of the transformation of the Harappan culture.

हड़प्पा संस्कृति के रूपान्तरण के कारणों का मूल्यांकन कीजिए।

23. Write a note on the major findings of the Banavali excavation.

बणावली उत्खनन की प्रमूख उपलब्धियों पर टिप्पणी लिखीए।

24. Describe the characteristics of the Kayatha culture.

कायथा संस्कृति के लक्षणों का वर्णन कीजिए।

25. Give an account of the art and crafts of the Harappan Civilizations.

हड़प्पा सभ्यता की कला एवं उद्योग का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. Discuss the role of iron in the rise of second urbanisation in the Ganga Valley.

गंगा घाटी में द्वितीय नगरीकरण के विकास में लोहे की भूमिका की विवेचना कीजिए।

22. Give an account of the Kaushambi excavations.

कौशाम्बी उत्खनन का विवरण दीजिए।

23. Describe Satanikotes as a major Satavahana Site.

एक प्रमुख सातवाहन पुरास्थल के रूप में सतानीकोटा का विवरण दीजिए।

24. Trace the expansion of urban settlements during the Kushana period.

कुषाण काल में नागरीय आवासस्थलों के विस्तार का रेखांकन कीजिए।

25. The material culture of the Gupta period represents the urban decay, examine.

गुप्त काल को भौतिक संस्कृति में नगरों की अवनति दीखती है। इस कथन का परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Describe the Stupa No. 1 at Sanchi

सांची के स्तूप संख्या-1 का वर्णन कीजिए।

22. Write a note on the rock-cut caves at Badami.

बादामी की शैल गुहाओं पर टिप्पणी लिखीए।

23. Give an account of the Gupta architecture.

गुप्त वास्तु का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

24. Describe the characteristic features of the Mauryau Capitals.

मौर्य कालीन स्तम्भ-शीर्षों के प्रमुख तत्वों का वर्णन कीजिए।

25. Write a note on the Ajanta paintings.

अजन्ता की चित्रकला पर टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. Write a note the origin of the Brahmi Script.

ब्राह्मी लिपि की उत्पत्ति पर टिप्पणी लिखिए।

22. Discuss the merits and demerits of Epigraphy as a source of Indian history.

भारतीय इतिहास के स्त्रोत के रूप में पुरालेखीय शास्त्र के गुण-दोंषों का परीक्षण कीजिए।

23. Evaluate the contents of the Junagadh inscription of Rudradaman.

रूद्रादमन के जूनागढ़ अभिलेख की विषय-वस्तु का मूल्यांकन कीजिए।

24. Critically examine the historical significance of Aihole inscription of Pulakeshi II.

पुलकेशी द्वितीय के ऐहोले अभिलेख के ऐतिहासिक महत्व का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

25. Write a note on the Samudragupta's gold coins.

समुद्रगुप्त के स्वर्ण सिक्कों पर टिप्पणी लिखिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) "Archaeology is history by other means". Explain.

or

(b) Examine evidence for Harappan trade with West Asia.

or

(c) Trace the development of rock-cut Hinayana chaitya-grihas in Western India.

(a) '' पुरातत्व एक अनूठे ढ़ंग का इतिहास है''। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

या

(b) पश्चिमी एशिया से हड़प्पीय व्यापार के प्रमाणों की समीक्षा कीजिए।

या

(c) पश्चिमी भारत के शैल-निर्मित हनियान चैत्या-गृहों के विकास को रेखांकित कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....